

असाधारसः. EXTRAORDINARY

भाग [-- खण्ड 1

PART I -Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 207] नई दिल्ली, शनिवार, ग्रन्तुबर 27, 1979/कार्तिक 5, 1991 No. 207] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 27, 1979/KARTIKA 5, 1901

इस भाग में भिन्न एष्ठ संख्या द्वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में **५ खाजासके।** 

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation.

> बाणिक्य, नागरिक आण्ति एवं सहकारिता मंत्रालय (आणिच्य विभाग)

> > नई दिल्ली, 27 अक्तूबर, 1979

निर्यात ज्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सचना सं. 72-इंबोसी(नी एन)/79

विषय : - संभित उच्चतम सीमा के भीतर नम्म तथा कश्मीर मूल के केवल भीवड, साधारण लोभडी, जगली बिल्ली और पहाड़ी बिल्ली की खालों न ही बनाई गई जैंकंट और कोट का निर्यात ।

**मिसिल** हंड्य, 25/9/79-5/2 से जारी 1-1-1979 से जस्म तथा कश्मीर राज्य में लाग जगती तीर (भरधा) पिथनियम, 1972 के अनुसरण में सभी विनिम्ति निर्यातका वा 21-12-1978 को अपने सालों के स्टांक की घोषणा

(1031)

760 @1/79

करनी थी । विनिर्माता निर्मातको द्वारा यथा घोषित ऐसे खालों के स्टाक और साथ ही साथ इन खालों से तैयार किए गएवस्त्रों का भी सत्यापन जम्मू तथा कश्मीर राज्य के जंगलों जीव निदेशक द्वारा कर दिया जाता है।

- 2. जम्मू तथा कश्मीर राज्य के विशिमांता निर्मातको को अपने प्राने स्टाक को समाप्त करने में सहायता प्रदान करने के लिए यह निश्चय किया गया है कि इस प्रयोजन के लिए उन्हें तदर्थ उच्चतम मृल्य मीमा के भीतर केवल गीदड़, साधारण लोमड़ी, जंगली बिल्ली और पहाड़ी बिल्ली की मालों में ही तैयार की गई जैकट और कोट के निर्मात के लिए अनुमति दी जाए।
- 3. जैकेट और कोट के कोटे का आबंदन जम्मू तथा कश्मीर हस्तशिल्य निगम द्वारा किया जाएगा । आबंदन प्राप्त करने के बाद निर्यातको को चाहिए कि वे संयुक्त मूख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र), नई दिल्ली को आवंदन करें जो पोतलदान बिल पर पृष्ठांकन करके निर्यात की अनुमति प्रदान करेंगे। इन पौशाको के विनिर्माण के लिए प्रयुक्त खालों को जंगली जीव निदेशक, जम्मू तथा कश्मीर राज्य द्वारा विधिवत् सत्यापित 31-12-1978 को विनिर्माता निर्यातको के पास उपलब्ध स्टाक में से घटा दिया जाएगा।
- 4 इस प्रकार की खालों के किसी भी रूप में निर्यात पर प्रतिबन्ध जारी रहेगा ।

सी वें कटरमन, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

## MINISTRY OF COMMERCE & CIVIL SUPPLIES

(Department of Commerce)

New Delhi, the 27th October, 1979

EXPORT TRADE CONTROL

Public Notice No. 72-ETC(PN)/79

Subject:—Export of Jackets and Coats only made out of skins of Jackel,
Common Fox, Jungle Cat and Hill Fox of J.&K. origin within
a limited ceiling.

Issued from file No. 25(8)/79-EII).—In pursuance of application of Wild Life (Protection) Act, 1972, in J.&K. State w.e.f. 1-1-1979, all the manufacturer exporters were to declare their stocks of skins as on 31-12-1978. Such stocks of skins as declared by manufacturer exporters as well as garments made out of these skins have also been verified by the Wild Life Directorate of J.&K. State.

- 2 In order to help the manufacturer exporters of J. & K. State to liquidate their old stocks, it has been decided to allow them export of Jackets and Coats only made out of skins of Jackal, Common Fox, Jungle Cat and Hill Fox within an ud hoc ceiling fixed for this purpose.
- 3. The allotment of quota of Jackets or Coats will be made by the J.&K. Handicrafts Corporation. After obtaining allotment, the exporters should apply to the Jt. Chief Controller of Imports and Exports (Central Licensing Area), New Delhi, who will allow export by making endorsement on the shipping bills. Skins used for the manufacture of these garments would be deducted from the stocks held by the manufacturer exporters as on 31-12-1978 duly verified by the Wild Life Directorate, J.&K. State.
  - 4. Export of skins as such in any form will continue to be banned.
    - (C. VENKATARAMAN, Chief Controller of Imports & Exports